# चलो रे भक्तों मैया की नगरी

चलो रे भक्तों मैया की नगरी,
मैया की नगरी भक्तों मैया की नगरी…….

जब जम्मू आएगा तो मन घबराएगा,
जब कटरा आएगा तो मन ललचाएगा,
वहीँ से ले लेगे मैया की चुनरी,
चलो रे भक्तों मैया की नगरी……..

जो बाण गंगा है वहां पानी ठंडा है,
वहीँ पे नहाएंगी वहीँ पे धोएगे,
वहीँ पे धोएगे पापी की गठरी,
चलो रे भक्तों मैया की नगरी……..

जो अर्ध कुँवारी है वो गुफा जी प्यारी है,
जो गुफा में जाओगे तो मन घबराएगा,
जयकारा बोलेगे मैया की नगरी,
चलो रे भक्तों मैया की नगरी……..

जब भवन में जाओगे वहां मैया बैठी है,
जब दर्शन पाओगे तो खुश हो जाओगे,
खाली झोली भरेगी मैया की नगरी,
चलो रे भक्तों मैया की नगरी……..

जो भैरव बाबा है वो अंतिम यात्रा है,
जब दर्शन कर लोगे पूरा फल पाओगे,
आशा पूरी होगी मैया की नगरी,
चलो रे भक्तों मैया की नगरी……..

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31067/title/chalo-re-bhakto-mayia-ke-nagri

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |